शुक्रवार । 25 दिसंबर 2015
अमर उजाला VII

तैयारी

एलयू से संबद्ध कॉलेजों के लिए तैयार किए जाएंगे शॉर्ट टर्म कोर्स

एलयू के कॉलेजों में चलेंगे एकेटीयू के कोर्स

अमर उजाला ब्यूरो

लखनऊ। राजधानी के डिग्री कॉलेजों में परंपरागत कोर्स की पढ़ाई करने वाले छात्र-छात्राएं अब तकनीकी ज्ञान भी प्राप्त कर सकेंगे। इसके लिए डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विवि कुछ खास शार्ट टर्म प्रोग्राम विकसित कराएगा। ये प्रोग्राम कॉलेजों में पढ़ने वाले बीएससी और एमएससी के स्टूडेंट्स को ध्यान में रखकर तैयार किए जाएंगे। इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्र-छात्राओं में वैज्ञानिक सोच को विकसित करना है। बहुत से स्टूडेंट्स जो पसंदीदा इंजीनियरिंग कॉलेज में प्रवेश न मिलने की वजह से बीएससी में आते हैं वह भी इन कोर्स को करके इंजीनियरिंग की पढ़ाई का लाभ ले सकेंगे। इन कोर्स के लिए छात्र-छात्राओं को एकेटीयू की तरफ से सर्टिफिकेट दिया जाएगा।

मैकेनिकल व केमिकल इंजीनियरिंग से फैशन तक के कोर्स

कुछ समय पहले एकेटीयू के कुलपति प्रो. विनय पाठक और जेएनपीजी कॉलेज के प्राचार्य डॉ. एसडी शर्मा के बीच यह बात हुई थी कि एकेटीयू उनके कॉलेज में कुछ शॉर्ट टर्म प्रोग्राम शुरू करे। इस पर प्रो. विनय पाठक ने सहमति दी थी। लेकिन अब विवि ने यह योजना बनाई है कि ऐसे कार्यक्रम डिजाइन किए जाएंगे जो अन्य डिग्री कॉलेजों में भी चल सकें। फिलहाल इन कोर्सेज को एलयू से संबद्ध कॉलेजों में शुरू किया जाएगा। एकेटीयू के पास मैकेनिकल से लेकर केमिकल और बायोटेक इंजीनियरिंग तक सभी ब्रांचेज हैं। जो कोर्स डिजाइन किए जाएंगे वह ऐसे होंगे कि डिग्री कॉलेजों में फिजिक्स, केमेस्ट्री, बायोलॉजी सहित विज्ञान की सभी शाखाओं के छात्र-छात्राओं को उनकी पसंद के कोर्स मिल जाएं।

जेएनपीजी छात्रों ने बनाया वर्किंग मॉडल

जेएनपीजी कॉलेज ने एक निजी तकनीकी कॉलेज के सहयोग से अपने यहां सिम्पल इलेक्ट्रॉनिक्स पर एडऑन कोर्स शुरू भी किया है। स्टूडेंट्स को कॉलेज का सर्टिफिकेट मिलेगा। जबकि एकेटीयू के कोर्स मिलने के बाद वहां का सर्टिफिकेट मिलेगा। कोर्स कर रहे बीएससी के छात्रों ने ऐसा वर्किंग मॉडल तैयार किया है जिससे केवल पैदल चलने से ही बिजली उत्पन्न होगी।

जिस तरह से एक कॉलेज ने तकनीकी मॉडल बनाया वैसे बाकी जगह के छात्र भी बना सकते हैं, जरूरत है तो उनको संसाधन व मार्गदर्शन की। एकेटीयू अपने तकनीकी ज्ञान को कॉलेजों के स्टूडेंट्स तक पहुंचाएगा जिससे इनोवेशंस को बढ़ावा मिले। इससे छात्रों में वैज्ञानिक सोच विकसित होगी। हम कुछ कॉमन कोर्स बनवाएंगे, जो कॉलेज चाहेंगे वे चला सकेंगे।
- प्रो. विनय कुमार पाठक, कुलपति, एकेटीयू

एकेटीयू : जंची कॉपियों की होगी सैंपल चेकिंग

लखनऊ (ब्यूरो)। डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विवि (एकेटीयू) में उत्तर पुस्तिकाएं जांचने वाले परीक्षकों को अब और सावधानी बरतनी होगी। मूल्यांकन प्रणाली में पारदर्शिता लाने के लिए विवि अब जांची हुई कॉपियों की सैंपल चेकिंग भी कराएगा। यह सैंपल चेकिंग कुल उत्तर पुस्तिकाओं के 15 फीसदी के बराबर होगी। इससे मूल्यांकन में गड़बड़ी की शिकायतों में कमी आएगी। विवि के कुलपति प्रो. विनय पाठक ने इस संबंध में निर्देश जारी कर दिए हैं। एकेटीयू के स्टूडेंट्स विवि में मूल्यांकन प्रणाली में गड़बड़ी का आरोप लगाते रहे हैं। इस साल भी स्टूडेंट्स ने विवि में धरना-प्रदर्शन किया था। स्टूडेंट्स की मांग पर विवि को स्पेशल कैरीओवर परीक्षा भी करानी पड़ी। स्पेशल कैरीओवर परीक्षा के बाद भी स्थिति जस की तस है। अभी भी स्टूडेंट्स उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन से संतुष्ट नहीं हैं। कुलपति प्रो. विनय पाठक ने मूल्यांकन प्रणाली में और पारदर्शिता लाने की योजना तैयार की है जिसमें जांची हुई कॉपियों की 15 फीसदी की सैंपल चेकिंग की जानी है। इस वजह से परीक्षक उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन में और सावधानी बरतेंगे। इससे स्टूडेंट्स की समस्याएं कम होंगी और विवि का कामकाज सामान्य हो सकेगा।

उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन में गड़बड़ी की शिकायतों के बाद उठाया गया कदम